Prabhat Khabar (Date: - 25/09/2019)

दो अक्तूबर से हर पंचायत में चलेगा हरियाली अभियान : मुख्यमंत्री

मुख्य संवाददाता ▷ मुजफ्फरपुर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहा कि गांधीजी की 150वीं जयंती पर दो अक्तूबर से प्रदेश की प्रत्येक पंचायत में मिशन मोड में जल-जीवन-हरियाली अभियान चलाया जायेगा. सीएम मंगलवार को एसकेएमसीएच परिसर में 105 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने पहुंचे थे. उन्होंने कहा कि पर्यावरण व जलवायु में परिवर्तन के कारण भू-जल स्तर नीचे जा रहा है. पानी की उपलब्धता कम हो रही है. जल खत्म हो रहा है और हरियाली नष्ट हो रही है. ऐसे में पर्यावरण संतुलन के लिए जल-जीवन-हरियाली अभियान चलाने की जरूरत है. उन्होंने हरित आवरण का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में यह आंकड़ा अभी 15 प्रतिशत है, जिसे 17 प्रतिशत करने का लक्ष्य है. सीएम ने कहा कि एसकेएमसीएच में 62 करोड़ से बन रही 100 बेडों की शिशु गहन चिकित्सा इकाई (पीकू) आठ माह यानी अगले साल अप्रैल में बनकर तैयार हो जायेगी. अगले साल फिर बच्चे एइएस या चमकी बुखार से पीड़ित हुए तो इलाज में कोई दिक्कत नहीं होगी. उन्होंने कहा कि पर्यावरण में परिवर्तन के कारण यह बीमारी हो रही है. इस पर अनुसंधान हो रहा है. चार साल पूर्व एक्सर्ट डॉक्टरों की टीम ने बैठक की थी, लेकिन कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला. उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिए बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाना जरूरी है. इसमें सामाजिक स्तर पर काम करना होगा. उन्होंने जनप्रतिनिधियों समेत सभी से जागरूकता अभियान में मदद करने की अपील की. ● बाकी पेज 17 पर

जलवायु परिवर्तन से गिर रहा भू-जल स्तर

एसकेएमसीएच में उद्घाटन-शिलान्यास करते सीएम नीतीश कुमार.

एसकेएमसीएच में उद्घाटन

- **13.59** करोड़ से बना 100 बेडों का मातृ-शिशु अस्पताल
- **11.09** करोड़ से बना 136 बेडों का हॉस्टल
- **15.56** करोड़ से बना 40 यूनिट का ट्यूटर रेसिडेंट भवन

शिलान्यास

1. 100 बेडों की शिशु गहन चिकित्सा इकाई (62 करोड़)
2. आंतरिक जलापूर्ति का सुदृढ़ीकरण

निर्माणाधीन योजनाएं

- **21.8** करोड़ से बन रहा 250 बेडों का नर्स हॉस्टल
- **5.80** करोड़ से ट्रामा सेंटर का निर्माण
- **26** करोड़ से बीएससी नर्सिंग कॉलेज व हॉस्टल का निर्माण

आज मुंगेर में वानिकी व इंजीनियरिंग कॉलेज का करेंगे शिलान्यास

मुंगेर. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को मुंगेर के पोलो मैदान में 178 करोड़ से बनने वाले वानिकी और इंजीनियरिंग कॉलेज के भवनों का आधारशिला रखेंगे. डीएम राजेश मीणा व एसपी गौरव मंगला ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीएम एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर से उतरेंगे, जहां से वह सड़क मार्ग से पोलो मैदान पहुंचेंगे. वहीं से वह कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में 178 करोड़ से बनने वाले इंजीनियरिंग व वानिकी कॉलेज के भवनों की आधारशिला रखेंगे. उन्होंने बताया कि वानिकी कॉलेज भवन का निर्माण 43.8 एकड़ में 105 करोड़ की लागत से होगा, जबकि 10 एकड़ में 78 करोड़ से इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण होना है. कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी सहित कई मंत्री भाग लेंगे.

Prabhat Khabar (Date: - 25/09/2019)

मिस्र के अध्यक्ष से मिले विजय चौधरी

पटना. बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी मंगलवार को मिस्र के संसद के कार्यकारी अध्यक्ष सुलेमान वहदान से मुलाकात की. मिस्र की राजधानी कैरो में संसद भवन जाकर श्री चौधरी ने मुलाकात की. इस दौरान सुलेमान वहदान ने श्री चौधरी को मिश्र की संसदीय प्रणाली की जानकारी दी. इस अवसर पर मिस्र में भारत के राजदूत राहुल कुलश्रेष्ठ भी मौजूद थे.

बच्चों से काम कराने वालों पर होगी कार्रवाई

पटना . बाल श्रमिकों की खोज में श्रम संसाधन विभाग अक्तूबर से पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर में स्पेशल ड्राइव चलायेगा. अभियान में वैसे बच्चों को मुक्त कराया जायेगा, जो घर, कारखाना और निजी व सरकारी ऑफिस में काम कर रहे है. जांच के लिये इन जिलों में जिले में छह अक्तूबर तक विशेष टीम का गठन करने का निर्देश दिया गया है. ड्राइव शुरू होने के बाद 15 दिनों तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जायेगा.

इसके लिए सरकारी-निजी दफ्तर, निबंधित उद्योग और कारखानों को सामूहिक रूप से पत्र भेजेगा, ताकि ड्राइव चलाने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो. अधिकारी औचक निरीक्षण में जब बच्चों को खोजने के लिये पहुंचे, तो बाल श्रम कानून के तहत उनसे काम कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई तुरंत कर सके.

Prabhat Khabar (Date: - 25/09/2019)

मात्र चार सेकेंड में सॉफ्टवेयर बतायेगा, नक्शा पास या फेल

संवाददाता ▷ पटना

नगर विकास व आवास विभाग का सॉफ्टवेयर मात्र चार सेकेंड में बतायेगा कि जो नक्शा अपलोड किया गया है, वो पास होने योग्य है या नहीं. नये प्रस्तावित बिल्डिंग बायलॉज के आधार पर विभाग के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा यह नया सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है. इसमें प्रस्तावित नक्शा अपलोड करने के लिए कुछ नयी तकनीकी सूचनाएं डालनी होगी. सही जानकारी देने पर ही नक्शा का पेज आगे बढ़ेगा. सभी जानकारियां भरने के बाद अगर आवेदन सबमिट हो जाता है, तो समझा जायेगा कि नक्शा पास हो जायेगा.

नये बिल्डिंग बायलॉज के लिए मुख्य सचिव स्तर पर बैठक : नये बिल्डिंग बायलॉज तैयार होने और नगर विकास व आवास विभाग से पास होने के बाद अब मामला मुख्य सचिव स्तर पर है. नये बिल्डिंग बायलॉज में कई नयी सुविधाएं जैसे पूरे राज्य के निकायों के लिए एक प्लेटफॉर्म पर नक्शा आवेदन करने की सुविधा,

- बिल्डिंग बायलॉज के आधार पर विभाग के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है नया सॉफ्टवेयर
- पूरे राज्य के निकायों के लिए एक प्लेटफॉर्म पर नक्शा आवेदन करने की सुविधा होगी उपलब्ध

40 मीटर से अधिक चौड़े सड़क पर भवन की ऊंचाई की सीमा को समाप्त करना आदि है. इसके अलावा नक्शा बनाने वाले सभी अभियंताओं का एक जगह निबंधन जैसी सुविधाएं रखी गयी है. मुख्य सचिव स्तर पर जल्द ही इसको लेकर एक बार फिर बैठक होने वाली है.

Prabhat Khabar (Date: - 25/09/2019)

एग्जीबिशन

प्रदर्शनी में महिलाओं को लुभा रही है ₹4.45 लाख की कांजीवरम साड़ी

सिल्क प्रदर्शनी का आगाज, लगाये गये हैं 80 से अधिक स्टॉल

लाइफ रिपोर्टर@पटना

तारामंडल हॉल में छह दिवसीय सिल्क प्रदर्शनी का आगाज मंगलवार को हो गया. प्रदर्शनी में देश के कई राज्यों से आये सिल्क कपड़ों के विक्रेता मौजूद हैं. 29 सितंबर तक सुबह 10.30 बजे से 8.30 बजे तक प्रदर्शनी चलेगी.

प्रदर्शनी में कुल 80 से ज्यादा स्टॉल लगाये हैं, जिसमें बेंगलुरु, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कश्मीर, भागलपुर, दिल्ली, पंजाब, बनारस, लखनऊ, इंदौर, मुंबई, आजमगढ़, कोलकाता आदि जगहों से आये विक्रेताओं के स्टॉल लगे हैं.

यहां मौजूद है 2.45 लाख और 4.45 लाख की कांजीवरम साड़ी : प्रदर्शनी में जहां सिल्क की तरह - तरह की डिजाइनर साड़ियां मौजूद हैं वहीं आकर्षण का केंद्र कांजीवरम की साड़ियां बनी हुई हैं.

आंध्रप्रदेश की ये साड़ियां अपनी खूबियों के कारण काफी लोकप्रिय हैं. यहां 2.45 लाख और 4.45 लाख की कांजीवरम साड़ियां भी मौजूद हैं. यहां आंध्र प्रदेश से आये अमल कुमार ने बताया कि कांजीवरम की इन साड़ियों में गोल्ड और सिल्वर हैंड विविंग की गयी है. एक साड़ी को बनाने में एक कारीगर को साल भर का समय लग जाता है.

साड़ियों की रेंज

- कोलकाता बिलूम साड़ी- 1500 रुपये से 6 हजार रुपये
- प्योर मसराई सिल्क- 1500 रुपये से 2500 रुपये
- प्योर हैंडलूम- 20 हजार रुपये
- मलबरी सिल्क- 5000 रुपये
- तसर सिल्क- 2200 रुपये मीटर
- बनारस की कतान सिल्क- 12,000 रुपये से लेकर 32000 रुपये
- कोहरा सिल्क- 5 हजार रुपये
- आंध्रा प्रदेश की उपारा सिल्क- 20 हजार रुपये से 25 हजार रुपये
- कांजी उपारा- 17 हजार रुपये
- मैसूर क्रेप- 7000 रुपये
- असम का मेखला सारी 4000 रुपये से लेकर 7500 रुपये
- मूंगा सिल्क- 4800 रुपये से लेकर 12 हजार रुपये
- मूंगा कॉटन- 1500 रुपये
- पंजाब का फूलकारी सूट- 1200 रुपये से लेकर 2500 रुपये
- पंजाबी सूट- 1500 से 1800 रुपये
- प्लाजो- 800 रुपये
- कश्मीर की पशमीना सिल्क साड़ी- पांच हजार से लेकर 20 हजार रुपये
- सिंपल कॉटन सिल्क साड़ी- 500 रुपये से लेकर 1500 रुपये